रंग रंगीला फागण आया | Mayank Aggarwal

रंग रंगीला फागण आया झूम रहा संसार है
होली का त्यौहार है रंगो की बहार है

खूब सजा दरबार है खूब सजा सरकार है
सिंहासन पर बैठा हुआ हंस रहा लखदातार है
स्वर्ग के जैसे लगे नज़ारा इतर की फुहार है
होली का त्यौहार है रंगो की बहार है

दूर दूर से दीवाने खाटू नगरी आये हैं
रींगस से पैदल चलकर संग निशान लाये हैं
चारो दिशाओं में बाबा की गूँज रही जयकार है
होली का त्यौहार है रंगो की बहार है

ढोल नगाड़े चंग बजे गा रहे सभी धमाल है
पिचकारी है हाथ में उड़ रहा रंग गुलाल है
कहता मोहित प्रेम रंग का ऐसा ये उपहार है
होली का त्यौहार है रंगो की बहार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-mayank-aggarwal/